काव्य सौन्दर्य के तत्त्व

(रस, छंद, अलंकार)

पर आधारित महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्न

1. प्रिय पति वह मेरा प्राण प्यारा कहाँ है?
दुःख जलनिधि डूबी का सहारा कहाँ है? प्रस्तुत पंक्ति मे रस है?

(क) करुण
(ख) हास्य
(ग) भयानक
(घ) वीभत्स

2. सोक विकल सब रोंवहि रानी।रूप, शील बल तेज बखानी।।
में कौन सा रस है ?

(क) भयानक
(ख) करुण
(ग) वीभत्स
(घ) हास्य

3. निम्न में से कौन रस के अंग हैं-

(क) स्थायीभाव

(ख) विभाव

(ग) अनुभाव

(घ) उक्त सभी

4. करुण रस का स्थायीभाव है

(क) शोक

(ख) हास

(ग) उत्साह

(घ) भय

5. हास्य रस का स्थायीभाव है

(क) शोक

(ख) हास

(ग) उत्साह

(घ) भय

6. बिंध्य के बासी उदासी तपोव्रतधारी
महा बिनु नारि दुखारे।
गौतम तीय तरी तुलसी,
सो कथा सुनि में मुनि वृन्द सुखारे।।
उक्त पंक्तियों में कौन-सा रस है?
(क) हास्य रस
(ख) करुण रस
(ग) वीर रस
(घ) शान्त रस

7. मणि खोये भुजंग-सी जननी
फन-सा पटक रही थी शीश।
अन्धी आज बनाकर मुझको,
किया न्याय तुमने जगदीश।।
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा रस है?
(क) वीर
(ख) करुण
(ग) हास्य
(घ) भयानक

8. विपति बटावन बन्धु बाहु बिनु, करो भरोसो काको’ में रस की पहचान कीजिए-

(क) रौद्र रस

(ख) शान्त रस

(ग) करुण रस

(घ) हास्य रस

9. नाना बाहन नाना बेषा।
बिहसे सिव समाज निज देखा।।
कोउ मुखहीन विपुल मुख काहू।
बिनु पद-कर कोऊ बहु बाहू ।।
उपर्युक्त पंक्ति में रस है-
(क) करुण रस
(ख) वीर रस
(ग) शान्त रस
(घ) हास्य रस

10. बुरे समय को देखकर गंजे तू क्यों रोय।
किसी भी हालत में तेरा बाल न बाँका होय।।
इन पंक्तियों में कौन-सा रस?

(क) करुण रस
(ख) वीर रस
(ग) शान्त रस
(घ) हास्य रस

11. जथा पंख बिनु खग अति दीना। मनि बिनु फन करिबर कर हीना।।
अस मम जिवन बंधु बिनु तोही। जौं जड़ दैव जिआवै मोही।।
पंक्तियों में कौन-सा रस है?

(क) श्रृंगार रस

(ख) वीर रस

(ग) करुण रस

(घ) हास्य रस

12. राम राम कहि राम कहि, राम राम कहि राम ।
तनु परिहरि रघुबर बिरहँ, राउ गयउ सुरधाम।।
इन पंक्तियों में कौन-सा रस है ?

(क) वीर रस

(ख) करुण रस

(ग) शान्त रस

(घ) हास्य रस

13. जेहि दिसि बैठे नारद फूली। सो दिसि तेहिं न बिलोकी भूली।
पुनि पुनि मुनि उकसहीं अकुलाहीं । देखि दसा हर गन मुसुकाहीं।।

उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों में किस रस का प्रयोग हुआ है?

(क) हास्य रस

(ख) करुण रस

(ग) वीर रस

(घ) इनमे से कोई नही

14. रोला के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं?

(क) 14

(ख) 16

(ग) 13

(घ) 24

15. रोला में कितनी मात्राओं पर यति होती है?

(क) 11 और 13

(ख) 13 और 11

(ग) 12 और 16

(घ) 16 और 12

16. “सीस पर गंगा हँसै, भुजनि भुजंगा हँसै,
हास ही को दंगा भयो, नंगा के विवाह में।।
कौन-सा रस है-
(क) करुण
(ख) हास्य
(ग) वीर
(घ) शान्त

17. दोनो पात बबूल का, तापर तनिक पिसान।
राजा रानी करत हैं छठे छमाही दान।।
में कौन-सा रस है?

(क) करुण

(ख) हास्य

(ग) वीर

(घ) शान्त

18. करुण रस का स्थायी भाव है-

(क) शोक

(ख) रति

(ग) क्रोध

(घ) भयानक

19. हे खग मृग हे मधुकर श्रेनी।
तुम देखी सीता मृगनयनी।।
में कौन-सा रस है?

(क) हास्य

(ख) करुण

(ग) वीर

(घ) इनमें से कोई नहीं

20. हँसि-हँसि भाजैं देखि दूलह दिगम्बर को।
पाहुनी जे आवैं हिमालय के उछाह में।।
में किस प्रकार की अभिव्यक्ति हुई है?

(क) वीर

(ख) हास्य

(ग) करुण

(घ) वीभत्स

21. हाय रुक गया यही संसार बना सिंदूर अनल अंगार।
वाताहत लतिका यह सुकुमार पड़ी है छिन्नाधार।।
पंक्तियों में कौन सा रस है?

(क) हास्य रस
(ख) करुण रस
(ग) श्रृंगार रस
(घ) वीर रस

22. रसों की संख्या है–

(क) नौ

(ख) आठ

(ग) चार

(घ) पाँच

23. रोला छन्द में कुल कितने चरण होते हैं ?

(क) तीन

(ख) दो

(ग) चार

(घ) पाँच

24. सोरठा के प्रथम एवं तृतीय चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं?

(क) 13 और 11

(ख) 12 और 12

(ग) 11 और 11

(घ) 11 और 13

25. सोरठा के दूसरे और चौथे चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं?

(क) 13-13

(ख) 12-16

(ग) 13-11

(घ) 13-11

26. नव उज्ज्वल जलधार हार हीरक सी सोहति,
बिच-बिच छहरति बूंद मध्य मुक्ता मनि पोहति।
इन पंक्तियों में छन्द है-

(क) रोला

(ख) दोहा

(ग) कुण्डलिया

(घ) सोरठा

27. कोउ पापिह पंचत्व, प्राप्त सुनि जमगन धावत।
बनि-बनि बावन बीर, बढ़त चौचंद मचावत।।
पै तकि ताकी लोथ, त्रिपथगा के तट लावत।
नौ द्वै ग्यारह होत, तीन पाँचहि बिसरावत।।'

इन पंक्तियों के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ हैं?

(क) सोलह
(ख) चौबीस
(ग) बीस
(घ) तेरह

28. जिनके आगे ठहर, सके जंगी न जहाजी।
हैं ये वही प्रसिद्ध, छत्रपति भूप शिवाजी।।
इन पंक्तियों में छन्द है–
(क) रोला
(ख) कुण्डलिया
(ग) सोरठा
(घ) दोहा

29. सुनत सुमंगल बैन, मन प्रमोद तन पुलक भर।
सरद सरोरुह नैन, तुलसी भरे सनेह जल।।
इन पंक्तियों के दूसरे और चौथे चरण में कितनी मात्राएँ हैं?

(क) 13–13 (ख) 12–16

(ग) 13–11 (घ) 11–11

30. छन्द के प्रकार हैं–

(क) वर्णिक

(ख) मात्रिक

(ग) मुक्त

(घ) उक्त सभी

31. रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून।।
कौन सा छंद है?
(क) दोहा
(ख) सोरठा
(ग) रोला
(घ) उक्त सभी

32. मात्रिक छन्द के अन्तर्गत आते हैं

(क) दोहा

(ख) सोरठा

(ग) रोला

(घ) उक्त सभी

33. दोहा-किस छन्द के अन्तर्गत आता है-

(क) वर्णिक छनद

(ख) मात्रिक छन्द

(ग) मुक्त छनद

(घ)इनमे से कोई नही

34. चौपाई छंद किस छंद के अन्तर्गत आता है?

(क) मुक्त छंद

(ख) मात्रिक छंद

(ग) वर्णिक छनद

(घ) इनमे से कोई नही

35. जो सुमिरत सिधि होइ, गननायक करिवर बदन।
करउ अनुग्रह सोइ, बुद्धि-रासि सुभ गुन सदन ।।
प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा छंद है?

(क) सोरठा

(ख) दोहा

(ग) रोला

(घ) चौपाई

36. सोरठा में कितने चरण होते हैं?

(क) दो

(ख) चार

(ग) छः

(घ) आठ

37. दोहे का उल्टा होता है-

(क) सोरठा

(ख) रोला

(ग) चौपाई

(घ) इनमें से कोई नहीं

38. रोला किस प्रकार का छन्द है?

(क) अर्द्धसम मात्रिक

(ख) विषम मात्रिक

(ग) सम मात्रिक

(घ) इनमें से कोई नहीं

39. बंदऊँ मुनि पद कंजु, रामायन जेहिं निरमयउ ।
सरवर सुकोमल मंजु, दोष रहित दूषन सहित ।।
उक्त पंक्ति में कौन-सा छन्द है?

(क) सोरठा

(ख) दोहा

(ग) रोला

(घ) चौपाई

40. जहाँ किसी एक वस्तु की, किसी दूसरी प्रसिद्ध वस्तु से गुण, धर्म और रूप के कारण समानता या तुलना की जाती है, वहाँ कौन-सा अलंकार होता है ?

(क) श्लेष

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग) उपमा

(घ) अनुप्रास

41. आहुति-सी गिर चढ़ी चिता पर उठी ज्वाला-सी। में कौन-सा अलंकार है?

(क) श्लेष

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग) उपमा

(घ) अनुप्रास

42. पीपर पात सरिस मन डोला' में अलंकार है–

पंक्ति में अलंकार है–

(क) उपमा

(ख)रूपक

(ग) उत्प्रेक्षा

(घ) श्लेष

43. चरण कमल बन्दौ हरि राई' में अलंकार है–

(क) अनुप्रास

(ख)रूपक

(ग) श्लेष

(घ) उत्प्रेक्षा

44. इहिं बिधि धावति धंसति ढरति ढरकति सुख-देनी।
मनहुँ सँवारति सुभ सुर-पुर की सुगम निसेनी।।
बिपुल बेग बल बिक्रम के ओजनि उमगाई।।
हरहराति हरषाति सम्भु-सनमुख जब आई।
इन पंक्तियों में कौन-सा छन्द है?

(क) सोरठा
(ख) चौपाई
(ग) दोहा
(घ) रोला

45. जहाँ उपमेय में उपमान का निषेध रहित/अभेद आरोप किया जाता है, वहाँ अलंकार होता है–

(क)रूपक

(ख) श्लेष

(ग) उत्प्रेक्षा

(घ) उपमा

46. जहाँ उपमेय में उपमान की संभावना की जाए, वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?

(क) अनुमास

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग)रूपक

(घ) यमक

47. सोहत ओढ़े पीतु पटु, स्याम सलोने गात।
मनौ नीलमणि सैल पर आतपु पर्यो प्रभात।।
उपर्युक्त पंक्तियों में अलंकार है-
(क) उपमा
(ख) रूपक
(ग) उत्प्रेक्षा
(घ) यमक

48. हृदय सिन्धु में उठता, स्वर्गिक ज्वार देख चन्द्रानन।'

पंक्ति में अलंकार है–

(क) रूपक

(ख) श्लेष

(ग) उत्प्रेक्षा

(घ) उपमा

49. नीलघन शावक से सुकुमार, सुधा भरने को विधु के पास।’ पंक्ति में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

(क) रूपक

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग) श्लेष

(घ) उपमा

50. पुलक प्रकट करती है धरती हरित तृणों के नोकों से।
मानो झूम रहे हैं तरु भी मंद पवन के झोकों से।।

इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–

(क) उपमा

(ख) श्लेष

(ग) उत्प्रेक्षा

(घ) रूपक

51. काव्य की शोभा बढ़ाने वाले उपकरणों को कहा जाता है-

(क) अलंकार

(ख) छन्द

(ग) रस

(घ) शब्द-शक्ति

52. भरत चरित करि नेम, तुलसी जे सादर सुनहिं ।
सिया राम पद प्रेम, अवसि होइ मन रस विरति ।।
उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा छंद है?
(क) दोहा
(ख) सोरठा
(ग) चौपाई
(घ) इनमें से कोई नहीं

53. उपमा के कितने अंग होते हैं ?

(क) चार

(ख) पाँच

(ग) छः

(घ) सात

54. यह सम मात्रिक छंद है। इसमें चार चरण होते हैं और प्रत्येक चरण में 24-24 मात्राएँ होती है। 11 और 13 मात्राओं पर यति होती है।" यह लक्षण किस छंद का है?

(क) रोला

(ख) दोहा

(ग) सोरठा

(घ) बरवै

55. उदित उदय गिरि मंच पर रघुवर बाल पतंग।
विकसे सन्त सरोज सब, हरये लोचन भृंग।।
उक्त पंक्तियों में अलंकार–
(क) उत्प्रेक्षा
(ख)रूपक
(ग) उपमा
(घ) अनुप्रास

56. उभय बीच सिय सोहति कैसी, ब्रह्म जीव विच माया जैसी।

उक्त पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(क) उपमा

(ख) रूपक

(ग) उत्प्रेक्षा

(घ) इनमें से कोई नहीं

57. ‘अम्बर पनघट में डुबो रही, ताराघट ऊषा नागरी।’
पंक्ति में अलंकार पहचान कर बताइए–
(क) उपमा
(ख) अनुप्रास
(ग) रूपक
(घ) उत्प्रेक्षा

58. यहीं कहीं पर बिखर गई वह, भग्न विजय माला-सी।
उपर्युक्त पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(क) उपमा

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग)रूपक

(घ) श्लेष

59. निम्न में से कौन-सा उपमा का अंग है?

(क) उपमेय

(ख) उपमान

(ग) साधारण धर्म

(घ) उक्त सभी।

60. मैं समुझ्यौ निरधार, यह जग कांचौ काँच सौ
एकै रूप अपार, प्रतिबिम्बित लखियतु जहाँ ।।
उपर्युक्त पंक्तियों में छन्द है–
(क) रोला
(ख) सोरठा
(ग) दोहा
(घ) चौपाई

61. सुनि केवट के बैन, प्रेम लपेटे अटपटे।
बिहँसे करुना ऐन चितइ जानकी लखन तनु।।
उपर्युक्त पंक्तियों में छन्द है–
(क) रोला
(ख) सोरठा
(ग) सवैया
(घ) कुण्डलिया

62. लिख कर लोहित लेख, डूब गया दिनमणि अहा।
व्योम सिन्धु सखि, देखि, तारक बुद् बुद् दे रहा।।
उपर्युक्त पंक्तियों में प्रयुक्त छन्द है–
(क) रोला
(ख) दोहा
(ग) बरवै
(घ) सोरठा

63. ‘रूपसि तेराघन केश पाश’ में अलकार है

(क) रूपक

(ख) श्लेष

(ग) उपमा

(घ) उत्प्रेक्षा

64. बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय।
सौंह करैं भौंहनि हँसै, दैन कहै नटि जाय।।
उपर्युक्त पंक्तियों में प्रथम व द्वितीय चरण में कितनी मात्राएँ हैं?

(क) 13-11

(ख) 11-13

(ग) 13-13

(घ) 11-11

65. उठो-उठो हे वीर, आज तुम निद्रा त्यागो।
करो महा संग्राम, नहीं कायर हो भागो।।
तुम्हें वरेगी विजय, अरे यह निश्चय जानो।
भारत के दिन लौट, आयगे मेरी मानो।।
उपर्युक्त छंद के चारों चरणों में कितनी-कितनी मात्राएँ हैं?

(क) 13-13
(ख) 24-24
(ग) 11-13
(घ) 11-11

66. लता भवन तें प्रगट भे, तेहिं अवसर दोउ भाइ ।
निकसे जनु जुग बिमल बिधु, जलद पटल बिलगाइ।।

में अलकार है-

(क) रूपक

(ख) श्लेष

(ग) उपमा

(घ) उत्प्रेक्षा

67. धाए धाम काम सब त्यागी। मनहु रंक निधि लूटन लागी।।
में अलकार है

(क) रूपक

(ख) श्लेष

(ग) उपमा

(घ) उत्प्रेक्षा

68. जब प्रिय वस्तु या इष्ट वस्तु का नाश हो जाता है, तो ऐसी स्थिति में कौन सा रस होता है?

(क) करुण

(ख) हास्य

(ग) वीर

(घ) शान्त